

प्रकाशितवाक्य 21 और 22

नया ब्रह्मांड – सदा के लिए घर



(चित्र: पुरानी, सूखी हुई पृथ्वी और उसके साथ नई, फूलती-फलती पृथ्वी।)

स्लाइड 2

हमारा अनंत भविष्य स्वर्ग में नहीं, बल्कि नई पृथ्वी पर है, जो भौतिक है और जिस पर हम पुनरुत्थान की देहों में रहेंगे: 2 पतरस 3:13।



स्लाइड 3



(अंग्रेज़ी पाठ वाली चित्र-कथा, प्रकाशितवाक्य 21:2-3 के अनुसार: यूहन्ना पवित्र नगर, नए यरूशलेम को परमेश्वर के पास से स्वर्ग से उतरते देखता है, जो उस दुल्हन के समान तैयार है जो अपने दूल्हे के लिए सजी हो; स्वर्ग से एक शब्द पुकारता है: देख, परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है, और वह उनके साथ निवास करेगा; वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर आप उनके साथ रहेगा।)

परमेश्वर के नगर के 7 पहलू

1. परमपवित्र स्थान
2. राजनीति – परमेश्वर का सिंहासन
3. नगर के हर निवासी के लिए तीन नाम
4. नगर में जीवन और काम
5. नगर की निर्माण-सामग्री
6. परमेश्वर का मुख

7. कृतज्ञता और स्तुति

स्लाइड 5

नया यरूशलेम, पवित्र नगर, मेमे की दुल्हन, स्वर्ग से पृथ्वी पर आता है।

यह सब विश्वासियों की संगति है और उनका निवासस्थान है।



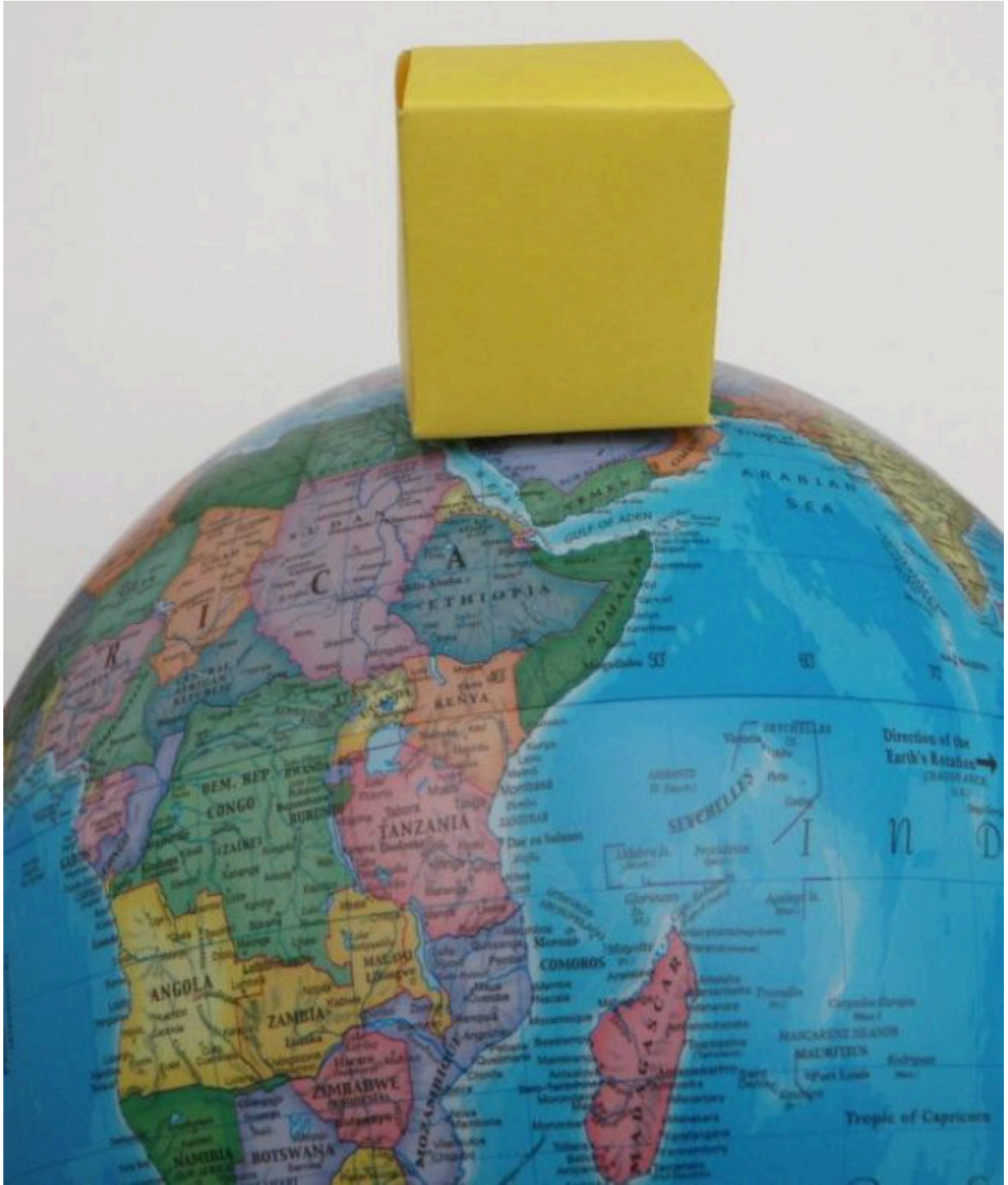
स्लाइड 6

नए यरूशलेम का माप

लंबाई 2400 किमी, चौड़ाई 2400 किमी, ऊँचाई 2400 किमी

रत्नों की 12 नीवें (प्रेरित) और मोतियों के 12 फाटक (12 गोत्र)। इन पाठों में सब कुछ प्रतीक और चित्र है!





स्लाइड 7

पृथ्वी, भौतिक और सामाजिक स्थान, परमपवित्र स्थान बन जाती है: सब कुछ पवित्र, शुद्ध और सिद्ध है; कुछ भी अशुद्ध, पापमय या बुरा नहीं है। क्योंकि वहाँ परमेश्वर सदा के लिए मनुष्यों के साथ निवास करता है! स्वर्ग पृथ्वी पर आ गया है।

Die Erde, der materielle und soziale Raum wird zum Allerheiligsten: Alles ist heilig, rein und vollkommen; nichts ist unrein, sündig oder schlecht. Weil Gott dort für immer bei den Menschen wohnt! Der Himmel ist Auf die Erde gekommen.



स्लाइड 8

बिल्लौर के समान स्वच्छ (लाल) यशब: परमेश्वर का रंग

प्रकाशितवाक्य 4:3; 21:11, 18, 19 परमेश्वर यरूशलेम के चारों ओर आग की शहरपनाह के समान चमकता है, जकर्याह 2:5।



स्लाइड 9

परमेश्वर का अनंत नगर, दुल्हन, स्वर्गलोक की वाटिका: जीवन का जल परमेश्वर और मेमे के सिंहासन से बहता है। जीवन के वृक्ष हर महीने नया फल देते हैं। वे सड़कों के किनारे-किनारे खड़े हैं, और हर सड़क के साथ-साथ जीवन के जल की नहरें हैं। मनुष्य परमेश्वर की सर्वव्यापी उपस्थिति में रहते हैं। वे परमेश्वर की और अपने संगी मनुष्यों की सेवा करते हैं, फलों और जीवन के जल का आनंद लेते हैं, सदा के लिए।



(अंग्रेज़ी पाठ वाला चित्र: जल परमेश्वर और मेमे के सिंहासन से निकलता है और नगर की मुख्य सड़क के बीचोंबीच बहता है।)